इस अभियान के अन्तर्गत खसरा तथा रुबैला के प्रति सुरक्षा प्रदान करने के लिए खसरा–रुबैला (एम.आर.) का एक टीका स्कूलों तथा आउटरीच सत्रों में आरम्भ किया जाएगा। यह एम.आर. टीका नियमित टीकाकरण में शामिल है।

यह महत्वपूर्ण है कि इस अभियान के अन्तर्गत 9 माह से 15 वर्ष तक के आयु वर्ग के बच्चों को यह टीका लगाया जाएगा, भले ही पहले उन्हें एम.आर / एम. एम.आर. का टीका दिया जा चुका हो।

खसरा

खसरा एक जानलेवा रोग है जोकि वायरस द्वारा फैलता है। बच्चों में खसरे के कारण विकलांगता तथा असमय मृत्यु हो सकती है।

रुबैला

रुबैला एक संक्रामक रोग है जो वायरस द्वारा फैलता है। इसके लक्षण खसरा रोग जैसे होते हैं। यह लड़के या लड़की – दोनों को संक्रमित कर सकता है। यदि कोई महिला गर्भावस्था के शुरुआती चरण में इससे संक्रमित हो जाए तो कंजेनिटल रुबैला सिंड्रोम (सी.आर.एस) हो सकता है जोकि उसके भ्रूण तथा नवजात शिशु के लिए घातक सिद्ध हो सकता है।

याद रखने योग्य मुख्य बातें

- इस अभियान के दौरान यह टीका 9 माह से 15 वर्ष से कम उम्र के सभी बच्चों को ज़रूर लगवाया जाना चाहिए
- यह टीका इस आयुवर्ग के सभी बच्चों को बिना लैंगिक, जातीय, साम्प्रदायिक या धार्मिक भेदभाव के लगाया जाएगा
- इसे स्कूलों, सामुदायिक सत्रों, आँगनवाड़ी केन्द्रों और सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों पर लगाया जाएगा
- यदि किसी बच्चे को एम.आर / एम.एम.आर. का टीका पहले से लगाया जा चुका हो तो उसे भी यह टीका लगवाएँ। इस अभियान में लगाया गया यह टीका बच्चों को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करेगा
- खसरा–रुबैला का टीका पूर्ण रूप से सुरक्षित है एवं इसके कोई दुष्प्रभाव नहीं होते
- यह टीका खसरे के साथ–साथ रुबैला रोग में एक लम्बी अवधि की प्रतिरक्षा देता करता है। एक एम.आर. के टीके व प्रजनन शक्ति में कोई सम्बन्ध नहीं है
- इसे प्रशिक्षित स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा लगाया जाएगा
- इस सामूहिक अभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखण्ड

स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार

NATIONAL HEALTH MISSION राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

स्वस्थ झारखण्ड सुखी झारखण्ड

GOVERNMENT OF JHARKHAND झारखण्ड सरकार

खसरा और रूबैला टीकाकरण अभियान

हम सब ने मिलकर यह ठाना है, मिजल्स रुबैला से झारखण्ड को बचाना है

खसरा और रूबैला को खत्म करने के लिए झारखण्ड कृतसंकल्प है

धर्मगुरुओं हेतु संदर्शिका

झारखण्ड सरकार 104 चिकित्सा सलाह * 24x7 Health Information Helpline *

खसरा–रुबैला (एम.आर.) टीकाकरण अभियान में

एक धर्मगुरू के रूप में आपकी भूमिका

टीकाकरण से पहले

यह आवश्यक है कि समुदाय में एम.आर. टीकाकरण के प्रति एक सुरक्षात्मक तथा उत्साह वर्धक वातावरण विकसित किया जाए। एम.आर. टीकाकरण से पूर्व स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा आपको इसके विषय में संक्षिप्त में बताए जाने से पूर्व कृपया किसी जागरुकता कार्यक्रम में आप भाग अवश्य लें।

स्थानीय स्वास्थ्य कर्मियों से इस विषय में अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त करें या किसी स्वास्थ्य केन्द्र पर जाकर किसी स्वास्थ्य अधिकारी से बात करें/मिलें

व्हाट्स–एप, एस.एम.एस. या पत्राचार तथा आपसी बातचीत के माध्यम से टीकाकरण की तिथि तथा स्थान के बारे में सूचना भेजें

- अपने क्षेत्र में सामुदायिक सभाओं का आयोजन करें तथा लोगों को एम.आर. टीकाकरण के विषय में संक्षिप्त विवरण दें या किसी स्वास्थ्य कर्मी से प्राप्त आई.ई.सी. सामग्री का प्रयोग करें या किसी स्वास्थ्य कर्मी को उस सभा में बुला कर इस विषय में अधिक जानकारी देने को कहें
- सुनिश्चित करें कि जिन माता–पिता के बच्चों की आयु 9 माह से 15 वर्ष से कम हो, उन तक यह सन्देश अवश्य पहुँचे

- आपकी मस्जिद, मन्दिर या चर्च में होने वाली धार्मिक सभाओं के इस विषय में घोषणा करना सुनिश्चित करें
- जुम्मे की नमाज़, मंगलवार या रविवार की सभा आदि अवसरों में आपके क्षेत्र के सामुदायिक सदस्यों के बीच एम.आर. टीकाकरण सम्बन्धी घोषणा पर विचार–विमर्श करें

आपके टीकाकरण स्थल पर ए.एन.एम. को पर्याप्त स्थान उपलब्ध कराएँ। इससे आपके सामुदायिक सदस्यों में विश्वास बढ़ेगा

टीकाकरण के दौरान

कृपया अभिभावकों को अपने बच्चों को टीका लगवाने के लिए प्रोत्साहित करें

कोशिश करें कि आप टीकाकरण स्थल पर उपलब्ध रहें या अपने किसी प्रतिनिधि को भेजें जो आपके क्षेत्र में टीका लगाए जाने वाले परिवारों को प्रोत्साहित करने में स्वास्थ्य कर्मी की सहायता करें

सुनिश्चित करें कि लोगों को एम.आर. टीकाकरण के विषय में सूचित करने के लिए आपके धार्मिक स्थल से सुबह घोषणा की जाए तथा प्रयास करें कि घोषणा दिन के समय ही हो

यदि कोई सामुदायिक सदस्य प्रश्न पूछे तो स्पष्ट रूप से उत्तर देने में स्वास्थ्य कर्मी की सहायता करें तथा सुनिश्चित करें कि उन्हें उचित उत्तर मिल गया है

टीकाकरण के बाद

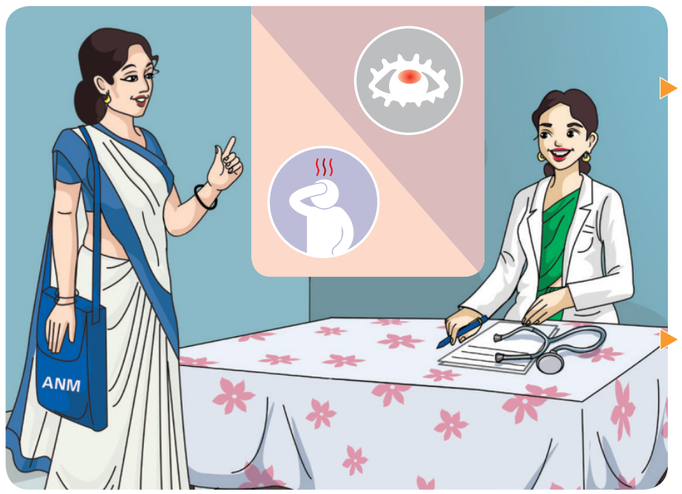

- यदि किसी बच्चे को बुख़ार या आँखों में लालिमा के लक्षण दिखाई दें तो सुपरवाइज़र या ए.एन.एम. को सूचित करें तथा सामुदायिक सदस्यों से कहें कि वे घबराएँ नहीं
- यदि कोई बच्चा बेहद कमज़ोर या थका हुआ महसूस करे तो मेडिकल अधिकारी/ए.एन.एम. को सूचित करें